# पावन जीवन चरित्र

श्रीश्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज जी का जीवन चरित्र

SGD

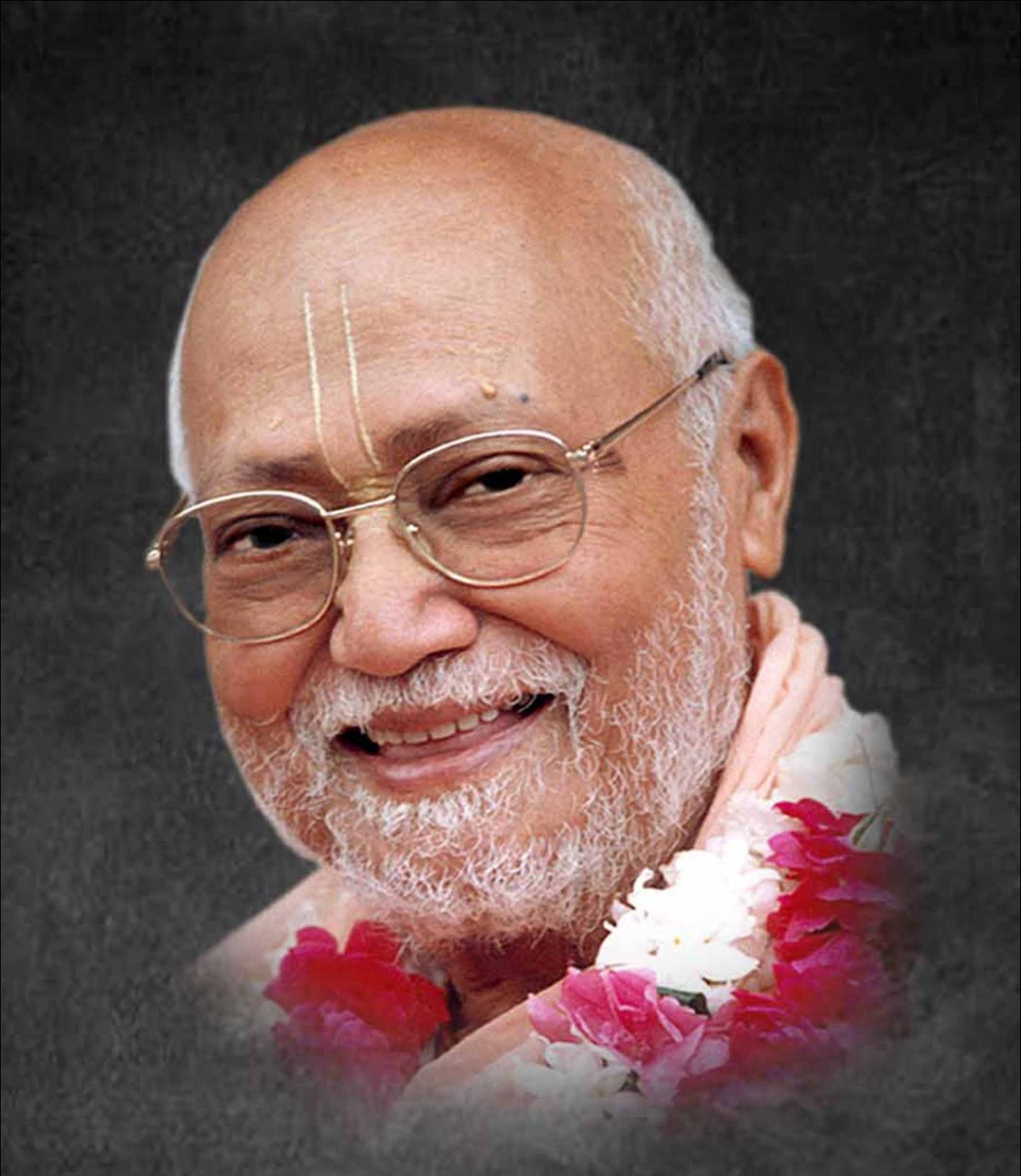

निखिल भारत श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ
प्रतिष्ठान के प्रतिष्ठाता,
नित्यलीला प्रविष्ट ॐ 108
श्री श्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज विष्णुपाद जी के
प्रियतम शिष्य, त्रिदण्डिस्वामी
श्रीमद् भक्तिबल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराज
जी द्वारा सम्पादित

SGD

# तृतीय खण्ड

## भाग – 14

कोलकाता मठ में श्रीदामोदर
व्रत के अनुष्ठान में श्रील गुरुदेव

कोलकाता 35, सतीश मुखर्जी रोड पर स्थित श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ में श्रील गुरुदेव जी की शुभ उपस्थिति और उनकी ही देखरेख में 27 अक्तूबर रविवार एकादशी तिथि से 21 नवम्बर सोमवार 1977, श्री उत्थान एकादशी तिथि तक एक महीने का श्रीदामोदरव्रत, कार्तिकव्रत अथवा नियमसेदा बड़े धूमधाम से आयोजित हुआ। उत्थान एकादशी पर श्रील गुरुदेव जी की शुभ आविर्भाव तिथि पर श्रीव्यास पूजा का आयोजन हुआ।

श्रील गुरुदेव जी की कृपाप्रार्थना के लिये पद्य और गद्याकार में लिखित पुष्पांजलियों का रात्रि की विशेष धर्म-सभा में भक्तों ने गान किया।

श्रील गुरुदेव जी की आशीर्वाणी- मैं जो कहता हूँ अथवा लिखता हूँ वह जैसे हमारे कार्य मंत्री व हमारे आचरण में आये उसका मैं बहुत ध्यान रखता हूँ। मेरे शिष्य जो सब मेरी स्तव-स्तुतियाँ कर रहे हैं, यह ठीक है कि बैठे-बैठे मैं वह सब सुन रहा हूँ, किन्तु मैं जानता हूँ कि यह सब पूजा मेरे श्रीगुरुपाद पद्मों के लिये ही है। मैं अपने सामने हुई सारी की सारी पूजा अपने

श्रीगुरुपादपद्मों में सादर समर्पित कर रहा हूँ। जगद्गुरु श्री श्रील प्रभुपाद आप सब पर प्रसन्न हों। अपना कल्याण चाहने वालों का कभी भी अकल्याण न हो।'

श्रीलगुरुदेव